सृजनात्मक बालक

Creative child

DR.NITIN BAJPAI (9336807724)
Assistant Professor ,B.Ed.
Maharana Pratap Govt. P.G. College
Hardoi U.P.
drnitin.bajpaihri@gmail.com

drnitin.bajpaihri@gmail.com

सृजनात्मकता का अर्थ

dmitin.bajpaihri@gmail.com

- विद्यायकता, रचनात्मकता, उत्पादकता, खोज, मौलिकता आदि शब्द सृजनात्मकता के समानार्थी शब्द है। सृजनात्मकता प्रतिभाशालता का एक विशेष गुण माना जाता है।
- सृजनात्मकता किसी भी व्यक्ति में छिपे हुये गुणों का संग्रह होता है जो प्रभावक एवं उपयुक्त समय मिलने पर स्वत: किसी भी व्यक्ति में प्रकट होने लगता है।
- पहले यह माना जाता था केवल लेखक, कवि, चित्रकार, संगीतकार आदि ही सृजनात्मक होते है परन्तु अब यह माना जाने लगा है कि जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सृजनात्मक होती है।
- विचारों में समान्यता से भिन्न होना, किसी सर्वथा नवीन वस्तु का निर्माण करना, जीवन में एक अभिनव व्यवहार करना व्यक्ति को सामान्य से ऊपर कर देते है। सृजनात्मकता का सम्बन्ध इसी प्रकार की सोच समझ और व्यवहार से है।
- बालक द्वारा किसी जटिल समस्या का विद्वतापूर्ण समाधान करने की योग्यता सृजनात्मकता है। जो अपने में निहित विभिन्न विशेषताओं समस्याओं के प्रति सजगता, गतिशील, वैचारिकता लचीलापन, मौलिकता जिज्ञासा नवीनता हेतु परिवर्तन की आकांक्षा के माध्यम से रचनात्मकता उत्पन्न करती है।

dmitin.bajpaihri@gmail.com

- ब्रूनर ने सृजनात्मकता के तीन पक्ष बताये है dmitin.bajpaihri@gmail.com

  (अ) नवीनता (ब) आश्चर्य (स) मौलिकता

- नैक्सन और मेसिक ने सृजनात्मकता के चार आधार बताये है-

  (अ) नवीनता (ब) उचितता (स) परिवर्तिता (द) संग्राही

- गिलफोर्ड सृजनात्मकता को उपसारी चिंतन (Divergent thinking) से सम्बन्धित करता है। उसके अनुसार सृजनात्मक योग्यताओं तथा अन्य गुणों का संचय है नो सफल अपसारी चिंतन करता है।

- सृजनात्मकता के प्राय: 4 तत्व माने गये ळें

  1. प्रवाह 2. लचीलापन 3. मौलिकता 4. सुपरिष्कृतता

- सृजनात्मकता मौलिक परिणामों की अभिव्यक्त करने की मानसिक प्रक्रिया है।

  क्रो एण्ड क्रो

- सृजनात्मकता मनुष्य की वह योग्यता है जिसके द्वारा वह नवीन रचना करता है या नवीन विचार उपस्थित करता है। ड्रेवर

- सृजनात्मकता समस्याओं की अपर्याप्ताओं ज्ञान के अभाव, खोये तत्वों असांमनस्थताओं आदि के प्रति संवेदन होने की प्रक्रिया है। टोरेन्स

dmitin.bajpaihri@gmail.com

shutterstock.com • 197792339

shutterstock.com • 124904084

shutterstock.com • 737872153

shutterstock.com • 389975650

सृजनात्मक बालक का अर्थ

- सृजनात्मक बालक किसी नवीन वस्तु का निर्माण एवं परिवर्तन करने की क्षमता रखता है। - एन इसरेली
- सृजनात्मक बालक पहले से विद्यमान वस्तुओं तथा तत्वों को संयुक्त कर नवीन निर्माण करता - बैरन
- सृजनात्मकता बालक बौद्धिक योग्यताओं व्यक्तित्व चरों तथा समस्या समाधान लक्षणों की सामान्यीकरण शक्ति रखता है। - आसुबेल
- सृजनशील बालकों में अपने जीवन की अस्पष्टता को सहन करने की उच्च योग्यता पायी जाती है।
- सृजनात्मक बालकों के विचारों में लचीलापन पाया जाता है। इन बालकों का बौद्धिक स्तर बहुत विस्तृत होता है।
- सृजनशील बालकों में एक नियंत्रित कल्पना पायी जाती है। जिससे किसी न किसी उपलब्धि को निर्देशन प्राप्त होता है।
- सृजनात्मक बालक वातावरण में हमेशा वास्तविक एवं सत्य की खोज करते रहते है।
- अध्ययनों से स्पष्ट हुआ है कि ये सृजनात्मक बालक न तो ज्यादा सामाजिक होता है और न ही समाज विरोधी भी। ये बालक सामाजिक परिवेश में बहुत अधिक संवेदनशील होते है।

dmitin.bajpaihri@gmail.com

- सृजनात्मक बालक में व्यक्तिगत स्वतंत्रता पायी जाती है। इनके विचारों में स्वतंत्रता होती है यह सृजनात्मक कार्यों को स्वतंत्र रूप में करते है।
- सृजनशील बालकों में गल्तियो को सहन करने की क्षमता होती है। उन्हे त्रृटियों से भय नही लगता है। इनके द्वारा समाधान की जो विधि प्रयोग की जाती है वह बहुत अधिक विस्तृत होती है।
- उच्च सृजनात्मक बालको की संवेदनायें, प्रत्यक्षीकरण, प्रत्यय निर्माण, चिंतन, तर्क, कल्पनाओं आदि साधारण बालको की तुलना में अधिक सार्थक एवं अर्थपूर्ण होती है।
- अध्ययनों से स्पष्ट हुआ है कि सृजनशील व्यक्ति अपनी आयु से अधिक परिपक्व होते है।
- सृजनशील बालको की अपने समूह में एक अलग पहचान होती है। क्योंकि सृजनशील बालकों की व्यक्तित्व में कुछ ऐसी विशेषतायें होती है जो सामान्य बालको से उन्हें अलग कर देती है।
- गिलफोर्ड के अनुसार सृजनशील बालको में उपसारी चिंतन पाया जाता है। वे सफल अपसारी चिंतन करते है।
- सृजनशील बालको में सृजनात्मकता के प्राय: ४ तत्व पाये जाते है-

  1. प्रवाह   2. लचीलापन   3. मौलिकता   4. सुपरिष्कृतता

- टोरेन्स ने अनेक सृजनात्मक व्यक्तियों के व्यवहारों का विस्तृत अध्ययन करने उपरांत सृजनात्मक व्यक्तियों की 84 व्यक्तित्व सम्बन्धी विशेषतायें बतायी है।

drnitin.bajpaihri@gmail.com

drnitin.bajpaihri@gmail.com

सृजनात्मकता बालकों की पहचान करने की विधि

व्यक्तित्व सम्बन्धी लक्षणों के आधार पर

- गिलफोर्ड द्वारा बताये गये सृजनात्मक बालकों की पहचान
- मैककिनोन द्वारा बताये गये सृजनात्मक बालकों की पहचान के प्रमुख लक्षण
- गोयल द्वारा बताये गये सृजनात्मक बालकों की पहचान के प्रमुख लक्षण

गेटजल और मेडन्स द्वारा बतायी गयी पहचान की 5 विधियां

- उपलब्धि
- मापनी
- बुद्धि
- व्यक्तित्व
- सृजनात्मकता परीक्षण अंक

सृजनात्मकता परीक्षण के आधार पर

- टोरेन्स के सृजनात्मक चिंतन के परीक्षण (TTCT)
- श्यासी का सृजनात्मक परीक्षण (PTC 1979)
- वी.पी. शर्मा तथा जे.पी. शुक्ला- वैज्ञानिक सृजनात्मकता का शाब्दिक परीक्षण
- बाकर मेंहदी- सृजनात्मक चिंतन का शाब्दिक परीक्षण (Tcw 1985)

सृजनात्मकता बालकों की शिक्षा व्यवस्था

- सृजनात्मक बालकों के अनुरूप शिक्षा के उद्देश्यसृजनात्मक बालकों के अनुरूप शिक्षा के उद्देश्य
- सृजनात्मक बालकों के लिए शिक्षण प्रतिमान
- सृजनात्मक बालकों के लिए शिक्षण तकनीक
- सृजनात्मक बालकों के लिए कक्षा कक्ष प्रक्रिया
- सृजनात्मक बालकों के लिए शिक्षक के कार्य
- सृजनात्मक बालकों के लिए पाठ्यक्रम
- सृजनात्मक बालकों के मार्ग में आने वाले अवरोधक तत्वों को दूर करना
- सृजनात्मकता के विकास के लिये तत्वों की बढ़ावा देना
- सृजनशील बालकों के लिए शैक्षिक साधन और सामग्री

dmitin.baipaihri@gmail.com

dmitin.baipaihri@gmail.com

THANK YOU

dmitin.bajpaihri@gmail.com